वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

पाठ्यक्रम – हिन्दी साहित्य

बी०ए०(तृतीय वर्ष) शैक्षिक सत्र 2020–21 से

पूर्णांक – 100

अंक विभाजन B.A.-III, I प्रश्नपत्र में	खण्ड क– खण्ड ख– '' खण्ड ग–	अनिवार्य दस–अति लघुत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से (1) तीन व्याख्या निर्धारित कवियों से (2) दो लघुत्तरीय प्रश्न द्रुतपाठ से आलोचनात्मक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–दो	(10×2=20) (10×3=30) (10×2=20) (15×2=30)

<u>प्रथम प्रश्न–पत्र</u>

<u>समकालीन काव्य</u>

निर्धारित कवि :

(1) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' (2) गजानन माधव मुक्तिबोध

(3) केदारनाथ अग्रवाल (4) वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन'

(5) त्रिलोचन शास्त्री (6) सुदामा प्रसाद पाण्डेय 'धूमिल'

द्रुत पाठ :– (1) केदारनाथ सिंह (2) भवानी प्रसाद मिश्र

(3) लक्ष्मीकान्त वर्मा (4) जगदीश गुप्त

अनुमोदित काव्य–ग्रन्थ – <u>समकालीन काव्य–संग्रह</u>

सम्पादक–

(1) डॉ० सरोज सिंह

प्राचार्य, तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर

(2) डॉ० सुषमा सिंह,

एसो० प्रो0 हिन्दी विभाग, टी0डी0कॉलेज, जौनपुर

(3) डॉ० पारस नाथ यादव,

एसो० प्रो० हिन्दी, गन्ना कृषक महा०वि०, ताखा, शाहगंज, जौनपुर

अथवा

क्षेत्रीय भाषा

भोजपुरी काव्य

अनुमोदित पुस्तक– भोजपुरी काव्य चयनिका

सम्पादक–

1– डॉ० अल्ताफ अहमद

एसो० प्रो० एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग

शिबली नेशनल पी०जी० कालेज आजमगढ़

2– डॉ० परवीन निजाम अंसारी

एसो० प्रो० एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग

शिबली नेशनल पी०जी० कालेज आजमगढ़

पाठ्यक्रम – हिन्दी साहित्य

बी०ए०(तृतीय वर्ष)

शैक्षिक सत्र 2020–21 से

पूर्णांक – 100

अंक विभाजन B.A.-III, ।। प्रश्नपत्र में	खण्ड क– खण्ड ख– खण्ड ग–	अनिवार्य दस–अति लघुत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से लघु उत्तरीय प्रश्न पाँच पाठ्यक्रम के दोनों भाग से दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दो पाठ्यक्रम के दोनों भाग से	(10×2=20) (5×10=50) (15×2=30)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास तथा साहित्य शास्त्र एवं हिन्दी आलोचना

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास –

काल विभाजन, काल विभाजन के कारणों का औचित्य, आदिकाल अथवा वीरगाथा काल की सामान्य विशेषतायें एवं प्रमुख कवि, भक्तिकाल का सामान्य परिचय, वर्गीकरण एवं मुख्य प्रवृत्तियाँ, रीतिकाल का सामान्य परिचय, वर्गीकरण एवं मुख्य प्रवृत्तियाँ, आधुनिक काल का सामान्य परिचय, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युग, प्रयोगवाद, नई कविता एवं अकविता का संक्षिप्त परिचय एवं सामान्य विशेषता।

गद्य की विभिन्न विधायें –

निबन्ध, उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी उद्‌भव एवं विकास तथा आत्मकथा, जीवनी, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, संस्मरण, यात्रा–साहित्य एवं पत्र–लेखन का सामान्य परिचय एवं विशेषता

(ख) साहित्यशास्त्र में हिन्दी आलोचना –

काव्य का स्वरूप, काव्य की आत्मा, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन। रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस के प्रकार एवं उनका परिचय। अलंकार परिचय एंव भेद तथा प्रमुख अलंकारों का परिचय एवं उदाहरण, काव्य–गुण, काव्य–दोष ।

आलोचना का स्वरूप, आलोचना के प्रकार, आलोचक के गुण तथा प्रमुख आलोचकों का परिचय, पाश्चात्य आलोचना परिचय एवं प्रमुख आलोचकों के सिद्धान्त का परिचय–

(1) प्लेटो की काव्य सम्बन्धी अवधारणा

(2) अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त

(3) शास्त्रीयतावाद और स्वच्छन्दतावाद का परिचय

(4) आदर्शवाद, यथार्थवाद और अभिव्यंजनावाद का परिचय

(5) कल्पना, मिथक, विम्ब और प्रतीक का सामान्य परिचय

अनुमोदित पाठ्य पुस्तक–

हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य शास्त्र एवं हिन्दी आलोचना

सम्पादक–

(1) डॉ० सरोज सिंह

प्राचार्य–तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,जौनपर

(2) डॉ महेन्द्र त्रिपाठी,

असि0प्रो०, हिन्दी विभाग, टी0डी0 कॉलेज, जौनपुर

सहायक ग्रन्थ–

1–	हिन्दी साहित्य का इतिहास	– रामचन्द्र शुक्ल
2–	हिन्दी साहित्य का इतिहास	– सम्पादक–डॉ0 नगेन्द्र
3–	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	– लक्ष्मी सागर वार्षणेय
4–	छायावाद	– नामवर सिंह
5–	हिन्दी आलोचना	– विश्वनाथ त्रिपाठी
6–	हिन्दी आलोचना का विकास	– नन्द किशोर नवल
7–	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र तथा हिन्दी आलोचन	– डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह
8–	पाश्चात्य आलोचना	– शान्ति स्वरूप गुप्त
9–	पाश्चात्य काव्य–शास्त्र	– देवेन्द्र नाथ शर्मा
10–	नई समीक्षा के प्रतिमान	– निर्मला जैन

पाठ्यक्रम – हिन्दी साहित्य

बी0ए0(तृतीय वर्ष) शैक्षिक सत्र 2020–21 से

पूर्णांक – 100

अंक विभाजन B.A.-III, ।।। प्रश्नपत्र में	खण्ड क– खण्ड ख– खण्ड ग–	अनिवार्य दस–अति लघुत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से लघु उत्तरीय प्रश्न पाँच पाठ्यक्रम के दोनों भाग से दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दो पाठ्यक्रम के दोनों भाग से	(10×2=20) (5×10=50) (15×2=30)

तृतीय प्रश्न–पत्र

हिन्दी भाषा एवं लिपि तथा प्रयोजन मूलक हिन्दी

(।) हिन्दी भाषा एवं लिपि–

हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति, हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास, हिन्दी शब्द समूह का वर्गीकरण, भाषा, विभासा और बोली का संक्षिप्त परिचय और उनका अन्तर। हिन्दी की प्रमुख बोलियों का परिचय, पश्चिमी हिन्दी एवं पूर्वी हिन्दी की बोलियों का परिचय, अवधी, ब्रज, रवड़ी बोली के उद्‌भव और विकास तथा उनका क्षेत्र और उनकी प्रमुख विशेषतायें।

लिपि का उद्‌भव और विकास, प्रमुख लिपियों का परिचय, देवनागरी लिपि के नामकरण पर विभिन्न विद्धानों के मत, देवनागरी लिपि के गुण एवं दोष तथा उसकी वैज्ञानिकता, देवनागरी लिपि के दोषों के सुधार सम्बन्धी किए गए प्रयत्न।

(।।) प्रयोजन मूलक हिन्दी –

(1) प्रयोजन मूलक हिन्दी का अभिप्राय और महत्व, (2) हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप – राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, (3) व्यावहारिक हिन्दी – पत्राचार–प्रकार मूल पत्र, जबावी पत्र, स्मृति पत्र, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, ज्ञापन, परिपत्र, आदेश पत्र, पृष्ठांकन एवं अन्तर्विभागीय टिप्पणी।

पत्रकारिता – अभिप्राय एवं महत्व, स्वरूप और वर्तमान परिदृश्य, सम्पादकीय, समाचार लेखन, शीर्षकीकरण एवं पृष्ठ विन्यास ।

अनुमोदित पाठ्य–ग्रन्थ – हिन्दी भाषा और प्रयोजन मूलक हिन्दी

सम्पादक–

(1) डॉ० गीता सिंह,

एसो० प्रो० एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, डी०ए०वी० कालेज, आजमगढ़।

(3) डॉ0 सुधा सिंह,

एसो०प्रो० एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, राज कॉलेज, जौनपुर

सहायक ग्रन्थ–

1– हिन्दी भाषा का विकास और लिपि का – भवानीदत्त उप्रेती स्वरूप

2– हिन्दी भाषा का विकास – राम किशोर शर्मा

3 – हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी

4 – हिन्दी उद्‌भव विकास और रूप – हरदेव बाहरी

5– हिन्दी का प्रयोजन मूलक स्वरूप – कैलाश चन्द्र भाटिया

6 – प्रयोजन मूलक हिन्दी – रामकिशोर शर्मा

7– प्रयोजन मूलक हिन्दी – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

8– समाचार संकलन और लेखन – नंद किशोर त्रिखा

9– पत्रकारिता एवं राष्ट्रीय चेतना – अर्जुन तिवारी

10– कार्यालयी हिन्दी – विजय पाल सिंह

(डॉ० सरोज सिंह)
संयोजक
हिन्दी अध्ययन परिसर,
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय,
जौनपुर